IJMRSETM

e-ISSN: 2395 - 7639

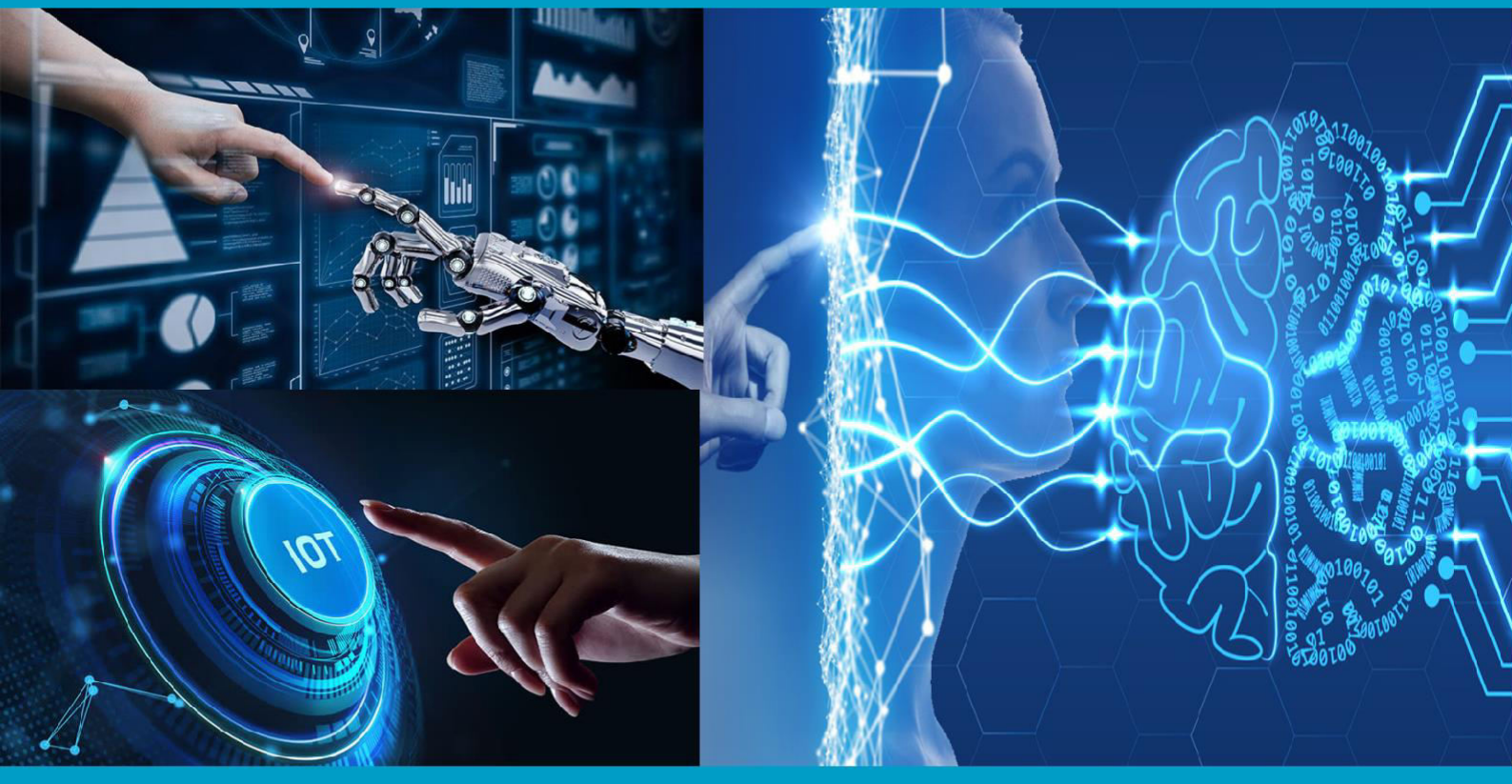

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH

IN SCIENCE, ENGINEERING, TECHNOLOGY AND MANAGEMENT

Volume 10, Issue 1, January 2023

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 7.580

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrsetm.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 10, Issue 1, January 2023 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2023.1001019|

अजमेर शहर में परिवहन तंत्र का भौगोलिक विश्लेषण

[1]डॉ. डी. सी. डूडी & [2] कृष्ण कुमार मीणा

[1] विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, राजकीय शाकम्भर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सांभर लेक, राजस्थान
[2] शोधार्थी, भूगोल विभाग , राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान

सार

इस शोध पत्र में अजमेर के पर्यटन स्थलों का भौगोलिक अध्ययन किया गया है। अजमेर शहर राजस्थान के खूबसूरत पर्यटन स्थलों में से एक है और ये पर्यटन स्थल अरावली पर्वतमाला से घिरे हैं। अजमेर शहर संत मुइन - उद - दीन चिश्ती की दरगाह शरीफ के लिए सबसे प्रसिद्ध है। अजमेर शहर अपनी धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक महत्व के लिए पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है। अजमेर धार्मिक पर्यटन स्थल होने के साथ - साथ सदियों से अस्तित्व में रहे लोकाचार और शिल्प कौशल के कारण कला में निपुण है। अजमेर भारत के राजस्थान राज्य के केंद्र में स्थित है और अजमेर शरीफ की कब्र के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। अजमेर शहर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है , इसके अलावा यह हिंदू धर्म और मुस्लिम धर्म के अनुयायियों के लिए एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थान है। अजमेर में मनाए जाने वाले " उर्स त्योहार " के दौरान संत मोइनुद्दीन चिश्ती की पुण्यतिथि मनाने के लिए दुनिया भर से पर्यटक आते हैं। इस शोध पत्र से अजमेर आने वाले पर्यटकों को फायदा होगा।

परिचय

मानव मन बहुत उत्सुक है। वह हमेशा किसी अदृश्य वस्तु और स्थान को जानने के लिए उत्सुक रहता है। इसलिए उस स्थान का दौरा करना उसके लिए एक स्वाभाविक गुण रहा है। इस भटकते हुए स्वभाव के कारण , उन्होंने उसे दूर के स्थानों पर जाकर और उसके रहने योग्य स्थान में देरी करके उसे अपना स्थायी निवास बना लिया। फिर भी , मानव ने अन्य स्थानों के रहस्यों का पता लगाना जारी रखा। दौरे प्रदर्शन करने के कई लाभ हैं। एक देश से दूसरे देश की यात्रा को देशतान कहते हैं। देश शब्द का अर्थ यहाँ जगह या जगह है। उदाहरण के लिए , ' देश , काल , स्थिति ' में , देश शब्द का अर्थ है ' स्थान ' । इसलिए , एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा को देशतान या पर्यटन कहा जाता है। प्राचीन समय में , यह एक आसान काम नहीं था। उन दिनों पर्यटन एक जोखिम भरा काम था , क्योंकि उन दिनों परिवहन के साधनों की कमी थी। एक को दूर - दूर तक ही जाना था। एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए कोई मार्ग नहीं थे। कहीं - कहीं स्थानीय लोगों द्वारा बनाई गई पगड़ी थी और उनकी मदद से यात्रा करनी थी। किसी भी नदी पर पुल नहीं था , केवल तैरकर नदी पार करनी थी। इसलिए , प्राचीन समय में , सभी यात्राएं बारिश में समाप्त हो जाती थीं। फिर भी प्राचीन काल के लोग ऐसी कठिन परिस्थितियों में यात्रा करते थे। चीनी यात्री खानसाग और फाह्यान हजारों साल पहले भारत आए थे। मैगस्थनीज , इकम बतूता ये प्राचीन पश्चिमी यात्री थे। इस भविष्यवाणी के कारण , कोलंबस ने अमेरिका की खोज की। यात्रा के दौरान वास्कोडिगामा भारत पहुंचा।[1,2] गुरु नानक देव जी ने कई लंबी और लंबी यात्राएँ कीं। वह अपनी यात्रा में बगदाद और रूस पहुँचे। उन्होंने अपने देश के प्रत्येक क्षेत्र की यात्रा की। इसी तरह , कबीर , दादू बल्लभाचार्य ने पूरे देश का दौरा किया। आधुनिक समय में , आज प्रदर्शन करना कोई मुश्किल काम नहीं है। आज , पैसे ने यातायात के साथ पूरी दुनिया को बहुत जानकारी दी है। इसीलिए आज का मनुष्य बहुत कम समय में दुनिया की यात्रा करता है। पहले जो यात्राएं महीनों और सालों पहले होती थीं , अब वे केवल घंटों में यात्रा करती हैं। अपनी भटकती प्रवृत्ति के कारण , मनुष्यों ने पृथ्वी की खोज की है। समुद्र में प्रवेश करने से उनके रहस्यों का पता चला है लेकिन अभी भी उनका ज्ञान और ज्ञान संतुष्ट

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrsetm.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 10, Issue 1, January 2023 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2023.1001019|

नहीं है। पृथ्वी के सभी रहस्यों को जानने के बाद, वह अब अन्य ग्रहों तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है। चंद्रमा की यात्रा उसी का परिणाम है। उसके प्रयास अन्य ग्रहों में भी हैं।

राजस्थान का खूबसूरत शहर, अजमेर विभिन्न पर्यटन और दर्शनीय स्थलों से भरा हुआ है, अगर आप अजमेर घूमने जाते हैं, तो आपको अजमेर के इन प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा अवश्य करनी चाहिए, जिसके बारे में हम आपको नीचे बताने जा रहे हैं।[3,4]

1. अजमेर शरीफ का मकबराः

अजमेर में बनी मोइनुद्दीन चिश्ती की कब्र को न केवल मुसलमानों के लिए बल्कि भारत में हर धर्म के अनुयायियों के लिए एक पवित्र स्थान माना जाता है। मोइन - उद - दीन चिश्ती के अंतिम विश्राम स्थल के रूप में, इस मकबरे ने इस्लाम के नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों को जनता के बीच फैलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एक अजीब तरह की खुशबू की लहर पूरे समय यहां आने वाले श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है। जो पर्यटकों को आध्यात्मिकता के प्रति एक सहज और अपरिवर्तनीय आग्रह के लिए प्रेरित करता है। दरगाह शरीफ निस्संदेह राजस्थान का सबसे लोकप्रिय तीर्थस्थल है। यह ख्वाजा मोइन - उद - दीन चिश्ती का विश्राम स्थल है, जो एक महान सूफी संत थे, जो एक महान सूफी संत थे, उन्होंने अपना पूरा जीवन गरीबों और दलितों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। क्योंकि यह स्थान सभी धर्मों के लोगों द्वारा एक बहुत ही पवित्र स्थान के रूप में जाना जाता है। अजमेर शरीफ को मुगलों ने बनवाया था। इसलिए, इसमें मुगल वास्तुकला की अद्भुत झलक मिलती है। अजमेर शरीफ के मकबरे में इन सभी संरचनाओं के मकबरे, आंगन और आंगन आदि जैसे विभिन्न घटक हैं, जिनमें से सबसे प्रमुख हैं - निज़ाम गेट, औलिया मस्जिद, दरगाह श्राइन, बुलंद दरवाज़ा, जामा मस्जिद, महफ़िलखाना और लगभग एक दर्जन अन्य प्रमुख प्रतिष्ठान।[5,6]

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrsetm.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 10, Issue 1, January 2023 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2023.1001019|

2. अजयमेरु दुर्ग तारागढ़ (गढ़बितली किला)

2855 फीट ऊंचे किले पर राजा अजयराज चैहान द्वारा बनवाए गए इस ऐतिहासिक किले ने पतन की अवधि में कितने युद्ध और शासकों को देखा है। इस किले को पहले अजयमेरु किले के रूप में जाना जाता था, इसका विस्तार 2 मील है और इसमें दो बड़े दरवाजे हैं। सत्रहवीं शताब्दी में, शाहजहाँ के एक सेनापति, गौड़ राजपूत विट्ठल दास द्वारा इस किले की मरम्मत की गई थी, किले के अंदर पानी के पाँच कुंड और बाहर एक जलरा है। घर में सबसे ऊंची जगह पर बनी मीर साहब की दरगाह देखने लायक है। दरगाह तारागढ़ का पहला गवर्नर मीर सैयद हुसैन खिंगेश्वर है।[7,8]

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrsetm.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 10, Issue 1, January 2023 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2023.1001019|

3. ढाई दिन का झोपड़ाः

अजमेर की ढाई दिन की झोपड़ी कुतुब - उद - दीन - ऐबक द्वारा निर्मित एक मस्जिद है, जो दिल्ली का पहला सुल्तान है। इस झोपड़ी के बारे में एक अफवाह यह भी है कि इस इंडो - इस्लामिक आर्किटेक्चर साइट का निर्माण ढाई दिनों में किया गया था और इसे यहां इसका नाम मिला। हालाँकि आज भी यहाँ के अधिकांश प्राचीन मंदिर खंडहर में हैं। धनुषाकार स्क्रीन, बर्बाद मीनारों और व्यक्तिगत सुंदर स्तंभों के साथ यह यात्रा करने के लिए एक अद्भुत जगह है।[9,10]

4. अकबर का महल और संग्रहालयः

अजमेर में घूमने के स्थान अकबर के महल और संग्रहालय हैं। अकबर का यह महल 1500 ए। डी। यह उस जगह पर बनाया गया था जहां सम्राट अकबर के सैनिक अजमेर में रुके थे और यह अजमेर शहर के केंद्र में स्थित है। इस संग्रहालय में पुराने सैन्य हथियारों और उत्कृष्ट मूर्तियों को दर्शाया गया है। अजमेर में संग्रहालय राजपूत और मुगल शैली के जीवन और लड़ाई के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित करता है। महल में काली जी की मूर्तियाँ हैं जो संगमरमर से बनी हैं।

5. नरेली का जैन मंदिरः

अजमेर से लगभग 7 किमी दूर स्थित नरेली में जैन मंदिर हैं। जो कोणीय और हड़ताली आकर्षक डिजाइन के साथ एक सुंदर संगमरमर का मंदिर है। अजमेर का यह खूबसूरत मंदिर पर्यटकों को आकर्षित करने में सक्षम है, इस मंदिर में दूर - दूर से पर्यटकों की भीड़ लगी हुई है। यह उन लोगों के लिए एक पसंदीदा जगह है जो शांत वातावरण में एकांत में समय बिताना चाहते हैं।

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrsetm.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 10, Issue 1, January 2023 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2023.1001019|

6. क्लॉक टॉवरः

अजमेर में अलवर के चर्च रोड पर स्थित क्लॉक टॉवर को प्राचीन राजपूत शासन का शाही पहलू माना जाता है, जो अजमेर के पास के क्षेत्र का दृश्य प्रस्तुत करता है। यदि आप अजमेर जाते हैं, तो आपको क्लॉक टॉवर का दृश्य भी देखना होगा।[11,12]

7. दुर्गाबाग गार्डनः

अजमेर में दुर्गाबाग गार्डन दौलत बाग एक आकर्षक उद्यान है जो राजसी अना सागर झील के किनारे स्थित है। बगीचे में शिमला की रमणीय पृष्ठभूमि (बैकसाइड) है जिसे महाराजा मंगल सिंह ने बनवाया था। दौलत बाग के परिसर में बने बगीचे में संगमरमर का मंडप बगीचे का मुख्य आकर्षण है। इसके अलावा, बगीचे में सुंदर खिलने वाले फूल, ऊंचे पेड़ और शांत हवा मन को मोह लेती है।

8. किशनगढ़ शहरः

किशनगढ़ शहर को भारत के संगमरमर शहर के रूप में जाना जाता है। किशनगढ़ शहर न केवल एक पर्यटन स्थल के रूप में जाना जाता है, बल्कि यह शहर अपनी कला और संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। किशनगढ़ शहर दुनिया में नौ ग्रहों वाले मंदिरों में एकमात्र स्थान है। किशनगढ़ किला, खोदा गणेश जी मंदिर, फूल महल पैलेस और गोंडुलव झील शहर के कुछ प्रमुख आकर्षण हैं।

9. सोनी जी की नसें

अजमेर का दर्शनीय स्थल, जिसे लाल मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, एक जैन मंदिर है, जो जैन धर्म के पहले तीर्थंकर को समर्पित है। सोनी जी की नसें मंदिर का मुख्य आकर्षण हैं, जिन्हें स्वर्ण नगरी या सिटी ऑफ़ गोल्ड के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर में कई सोने की लकड़ी की आकृतियाँ बनी हैं जो जैन धर्म की कई आकृतियों को दर्शाती हैं। मंदिर में आने वाले पर्यटकों की लंबी कतारें हैं।[13,14]

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrsetm.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 10, Issue 1, January 2023 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2023.1001019|

10. अब्दुल्ला खान का मकबराः

अब्दुल्ला खान का मकबरा अजमेर में अब्दुल्ला खान के दो बेटों द्वारा बनाया गया था। यह ऐतिहासिक मकबरा अजमेर की भव्यता और अखंडता को और बढ़ाता है। इस मकबरे के विपरीत अब्दुल खान की पत्नी की कब्र है।

11. पृथ्वीराज चैहान स्मारकः

पृथ्वीराज चैहान के स्मारक अजमेर में देखने लायक स्मारकों में बहुत लोकप्रिय हैं। अजमेर में तारागढ़ मार्ग पर स्थित पृथ्वीराज चैहान स्मारक एक निडर और वीर राजपूत राजा को समर्पित है। स्मारक में पृथ्वीराज चैहान की एक विशाल प्रतिमा स्थापित है, जिसमें वीर राजपूत राजा को काले घोड़े पर बैठे हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, यह स्मारक एक पहाड़ी के ऊपर है, जहाँ से नीचे देखने पर घाटी का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

12. अकबरी मस्जिदः

अकबरी मस्जिद शाहजहानी गेट और बुलंद दरवाजा के बीच एंडर कोटे रोड पर स्थित है। लाल बलुआ पत्थर में बनी अकबरी मस्जिद को सफेद और हरे पत्थरों से सजाया गया है। चार ऊंचे टॉवर प्रवेश द्वार को फ्लैंक करते हैं और मस्जिद की सुंदरता को और बढ़ाते हैं।[15,16]

13. मेयो कॉलेज संग्रहालयः

मेयो कॉलेज संग्रहालय झलवर हाउस, अजमेर में स्थित है और मेयो कॉलेज संग्रहालय श्री टीएन व्यास द्वारा बनाया गया था।

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrsetm.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 10, Issue 1, January 2023 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2023.1001019|

14. साईं बाबा मंदिरः

अजमेर का साईं बाबा मंदिर बड़ी संख्या में पर्यटकों और भक्तों को आकर्षित करता है। 5 बीघा क्षेत्र में फैला साईं बाबा मंदिर श्री सुरेश के लाल द्वारा बनाया गया था। अजय नगर, अजमेर में स्थित मंदिर का उद्घाटन वर्ष 1999 में हुआ था।

15. अकबरी किलाः

अजमेर का आकर्षक स्थल अजमेर के नए बाजार में संग्रहालय रोड पर स्थित अकबरी किला और संग्रहालय है। किला और संग्रहालय हड़ताली वास्तुकला - मुगल और राजपुताना शैलियों का मिश्रण है। यह किला मुगल शासक सम्राट अशोक द्वारा बनवाया गया था। यह किला कभी राजकुमार सलीम का निवास स्थान था।

16. किला मसुदाः

फोर्ट मसुदा, अजमेर से 54 किलोमीटर की दूरी पर मसुदा में स्थित है। इस किले का निर्माण मूल रूप से 1595 ईस्वी के आसपास हुआ था लेकिन इस किले की हालत तेजी से बिगड़ती गई और यह जल्द ही एक नाकाबंदी में बदल गया। लेकिन बाद में इसे बहाल कर दिया गया और नर सिंहजी मार्टिया ने इसका पुनर्निर्माण करवाया। वर्तमान में किला शानदार शैली में खड़ा है और इसमें कई महल हैं। जैसे कांच - महल, बड़ा - महल, चंद्र - महल आदि।[17,18]

17. अजमेर बाजारः

अजमेर बाजार एक सुंदर बाजार है और बाजार में आने वाले पर्यटकों को विभिन्न प्रकार के आइटम मिलते हैं। महिला मंडी जैसा कि नाम से पता चलता है, इस बाजार में महिलाओं को खरीदने के लिए बहुत कुछ मिल सकता है। जैसे, यह बाजार अपनी पारंपरिक ओडिनियों, साड़ियों और फैंसी डोंगियों के लिए प्रसिद्ध है। हाथ टाई रंग की पगड़ी (सफा) आदि पुरुषों के लिए देखी जा सकती है। अजमेर मार्केट में चांदी के बर्तन की खरीदारी काफी प्रसिद्ध है।

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrsetm.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 10, Issue 1, January 2023 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2023.1001019|

18. चश्मा ए नूरः

तारागढ़ के पश्चिम में, घाटी में एक खूबसूरत जगह का नाम चश्मा - ए - नूर है, सम्राट जहांगीर ने अपने नाम नूरुद्दीन जहाँगीर के नाम पर इसका नाम चश्मा - ए - नूर रखा।

19. उर्स त्योहारः

राजस्थान के अजमेर में स्थित प्रसिद्ध शरीफ मंदिर, एक वार्षिक उर्स समारोह (त्योहार) है जो सूफी संत, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की पुण्यतिथि पर आयोजित किया जाता है। अजमेर में देखने लायक उर्स त्योहार को भारतीय उपमहाद्वीप में चिश्ती सूफी के संस्थापक ख्वाजा गरीब नवाज के रूप में जाना जाता है।

20. प्रमुख झीलें

1. पुष्कर झीलः

राजस्थान में एक प्रसिद्ध तीर्थस्थल है जहाँ हर साल प्रसिद्ध पुष्कर मेला लगता है। यह राजस्थान के अजमेर जिले में है। यहां ब्रह्मा का मंदिर है

पुष्कर को तीर्थों का मुख माना जाता है। जिस प्रकार प्रयाग को तीर्थराज कहा जाता है, उसी प्रकार इस तीर्थ को "पुष्करराज" कहा जाता है। पुष्कर को पंचतीर्थों और पंच सरोवरों में गिना जाता है। पुष्कर सरोवर तीन हैं -

ज्येष्ठ (सिर) पुष्कर

मध्य (पुराना) पुष्कर

कनिष्क पुष्कर

ज्येष्ठ पुष्कर के देवता ब्रह्माजी हैं, भगवान विष्णु, मध्य पुष्कर के देवता और रूद्र, कनिष्क पुष्कर के देवता, पुष्कर के मुख्य मंदिर हैं। जो पुष्कर सरोवर से थोड़ी दूरी पर स्थित है, मंदिर में दाईं ओर चतुर्मुख ब्रह्मा जी की सावित्री और बाईं ओर गायत्री मंदिर है। पास में एक और सनकादि की मूर्तियाँ हैं, तो एक छोटे से मंदिर में नारद जी की मूर्ति एक मंदिर में हाथी पर बैठे कुबेर और नारद की मूर्तियाँ हैं।[19]

तीर्थराज पुष्कर तीर्थराज पुष्कर अजमेर शहर के उत्तर - पश्चिम में अजमेर से 11 किलोमीटर उत्तर में स्थित है, पुष्कर घाटी के रूप में जाना जाता है, सुरम्य और रमणीय घाटी के लिए मार्ग, यह तीर्थस्थल समुद्र तल से 500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। और सावित्री का एकमात्र और सबसे पुराना मंदिर पुष्कर में ही है। भारतीय शास्त्रों में पाँच प्रमुख तीर्थों को सबसे पवित्र माना जाता है, जिनमें से पुष्कर मुख्य है, चार अन्य तीर्थ हैं कुरुक्षेत्र गया गंगा और प्रयाग। पुष्कर झील पुष्कर झील। इनमें वराह ब्रह्मा और गऊ घाट को सबसे पवित्र माना जाता है। पुराने युग में, गौ घाट को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता था, ऐसा माना जाता है कि 18 साल बाद, इसे 18 वर्षों में मराठा सरदारों द्वारा फिर से बनाया गया था। मैंने अंग्रेजी शासन की रानी में गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ किया था, इसलिए उन्होंने वहां महिलाओं के लिए एक अलग घाट बनवाया, यही वह स्थान है जहां से महात्मा गांधी की राख उस समय बहती थी, जिसे गांधी घाट भी कहा जाता है। यह कनिष्ठ धार्मिक दृष्टिकोण से पवित्र माना जाता है, कनिष्ठ का यह भी कहना है कि लोग बड़े पुष्कर में स्नान और पूजा करना पसंद करते हैं।

यह भारत में ब्रह्मा का एकमात्र मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण ग्वालियर के महाजन गोकुल प्रकाश ने अजमेर में करवाया था। ब्रह्मा मंदिर का कमल लाल रंग में है और इसमें हंस, ब्रह्मा का वाहन है। चतुर्मुखी ब्रह्मा देवी गायत्री और सावित्री यहाँ मूर्ति रूप में मौजूद हैं। पुष्कर हिंदुओं के लिए एक पवित्र तीर्थ और महान पवित्र स्थान है।

वर्तमान में, सरकार ने इसका ध्यान रखा है। इसलिए, इसने तीर्थ की स्वच्छता को बनाए रखने में भी बहुत मदद की है। यात्रियों के आवास का विशेष ध्यान रखा जाता है। यहां आने वाले हर तीर्थयात्री को पवित्रता और जगह की सुंदरता की याद आती है।

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrsetm.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 10, Issue 1, January 2023 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2023.1001019|

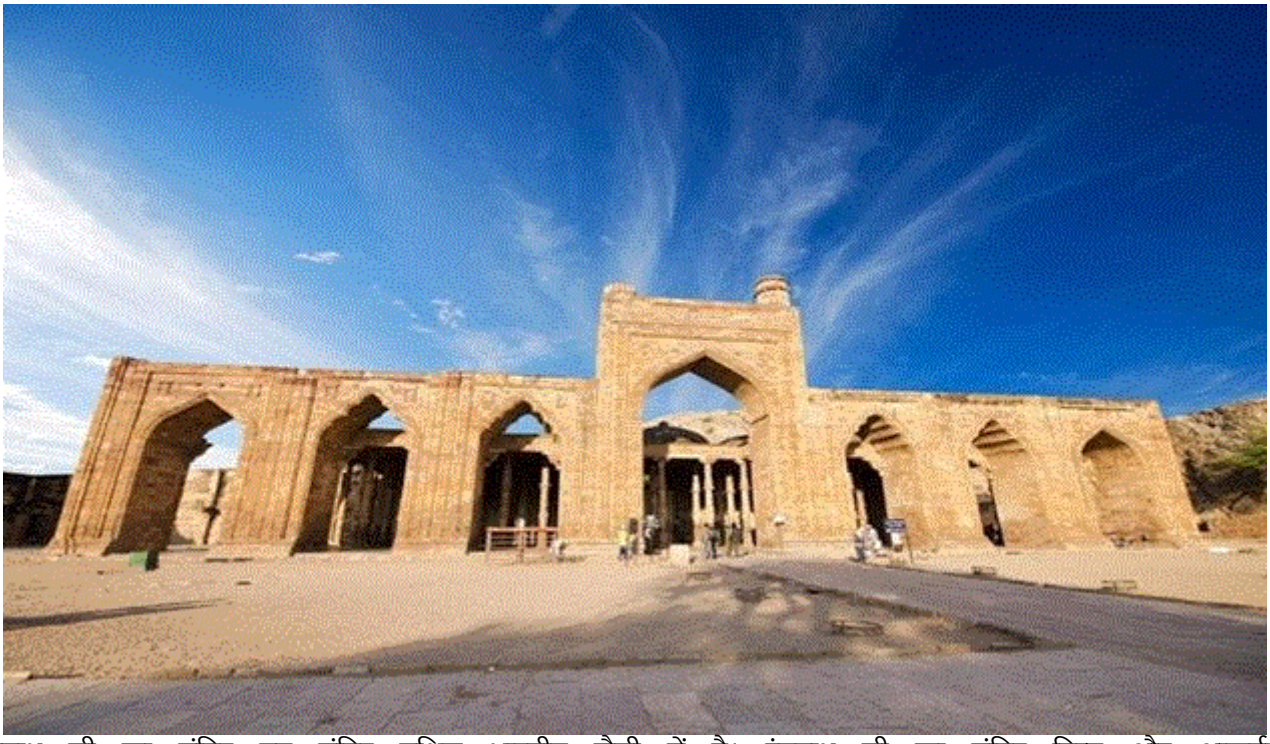

रंगनाथ जी का मंदिर यह मंदिर दक्षिण भारतीय शैली में है। रंगनाथ जी का मंदिर दिव्य और आकर्षक है। यह भारतीय वास्तुकला की आधुनिक शैली का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह मंदिर भगवान विष्णु लक्ष्मी और नरसिम्हा जी की मूर्तियों से संबंधित है और 130 साल पुराना है। रंग नाथ जी की मूर्ति भाषण से पूर्व की ओर स्थित है, ब्रह्मा जी का मंदिर पुष्कर मंदिर का पवित्र शहर है। यह एक मंदिर है लेकिन मुख्य मंदिर ब्रह्मा जी का है। मंदिर में पातालेश्वर महादेव पंचमुखी महादेव लक्ष्मीनारायण घोरीशंकर सूर्यनारायण नारद दत्तात्रेय सप्त ऋषि का मंदिर और नए ग्रह भी हैं।[11]

वराह मंदिर, विष्णु के वराह अवतार की कथा से जुड़ा हुआ है, इस अवतार पर एक ग्राहक का रूप लेकर, विष्णु ने पृथ्वी को उठा लिया, लेकिन जिस रूप में इस मंदिर को प्रतिष्ठित किया गया, वह 11 वीं शताब्दी में बनाया गया था। इस अवधि में इसे 1133 -1150 में बनाया गया था, इसका जीर्णोद्धार अकबर के शासनकाल में महाराणा प्रताप के भाई सागर ने करवाया था।
पुष्कर मेला यहां कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक भी आते हैं। इस मेले में हजारों हिंदू लोग आते हैं। और खुद को पवित्र करने के लिए, हमने पुष्कर झील में स्नान किया। भक्तों और पर्यटकों को श्री रंग जी और अन्य मंदिरों में जाकर आध्यात्मिक लाभ मिलता है।

राज्य प्रशासन भी इस मेले को विशेष महत्व देता है। स्थानीय प्रशासन इस मेले की व्यवस्था करता है और कला संस्कृति और पर्यटन विभाग इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है।
इस समय यहाँ एक पशु मेला भी आयोजित किया जाता है, जिसमें विभिन्न जानवरों से संबंधित कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं, जिसमें सबसे अच्छी नस्ल के पशुओं को पुरस्कृत किया जाता है। इस पशु मेले का मुख्य आकर्षण है।[12]

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrsetm.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 10, Issue 1, January 2023 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2023.1001019|

2. फिसागरः

यह राज्य अजमेर नगर परिषद द्वारा अकाल राहत कार्यों के तहत दो लाख 87 हजार रुपये की लागत से बनाया गया था, इसका नाम कनिष्क, बिल्डर, कार्यकारी अभियंता सफाई के नाम पर रखा गया था। यहां से अजमेर तक 26 फीट की गहराई पर पानी वितरित किया जाता है।

3. आनासागर झीलः

अजमेर में आनासागर एक लुभावनी और शानदार कृत्रिम झील है, जो भारत के राजस्थान राज्य के अजमेर शहर में स्थित है। आनासागर झील हर साल गर्मी के मौसम में सूख जाती है। [13]
लेकिन सूर्यास्त के दौरान इसका नजारा देखने लायक होता है। झील के पास बने कुछ मंदिरों से झील का दृश्य भी मंत्रमुग्ध कर देता है। यदि आप अजमेर की यात्रा पर हैं, तो अना सागर झील की यात्रा करना न भूलें और इस झील की सुंदरता का आनंद लें। वर्तमान में, अना सागर झील अजमेर की सबसे लोकप्रिय और भारत की सबसे बड़ी झीलों में से एक है। इस महत्वपूर्ण स्थल का निर्माण अंबाजी तोमर के आदेशों के अनुसार किया गया था, जो रियासत के राजा पृथ्वी राज चैहान के दादा थे। झील का नाम राजा अनाजी के नाम पर रखा गया है।

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrsetm.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 10, Issue 1, January 2023 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2023.1001019|

4. सांभर झीलः

सांभर झील एक खूबसूरत झील है जो अजमेर से लगभग 64 किमी दूर स्थित है, अजमेर में घूमने के लिए। जो राष्ट्रीय राजमार्ग 8 पर स्थित है और भारत की सबसे बड़ी खारे पानी की झील है। हालांकि, इसे गुलाबी राजहंस और जलपक्षी पक्षियों की उपस्थिति के कारण रामसर साइट के रूप में भी नामित किया गया है।[14]

विचार-विमर्श

अजमेर शहर का नाम अजयमेरु के नाम पर रखा गया है। अजयपाल का मंदिर, जो अजमेर से 10 किलोमीटर दूर राजा अजयपाल चैहान द्वारा स्थापित किया गया था, अभी भी अजमेर के संस्थापक की याद दिलाता है, यह गुर्जर राजा अजयपाल चैहान के समय में 12 वीं शताब्दी में एक महत्वपूर्ण शहर बन गया, जिसने एक बनाया अजमेर में तारागढ़। मजबूत किला बनाया गया था

राजा अजय पाल ने इस शहर की स्थापना 1113 ईस्वी में की थी स्वतंत्रता के बाद, अजमेर को 1 नवंबर 1956 को राजस्थान में मिला दिया गया और इसके साथ ही राजस्थान का एकीकरण पूरा हो गया।[15]

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrsetm.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 10, Issue 1, January 2023 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2023.1001019|

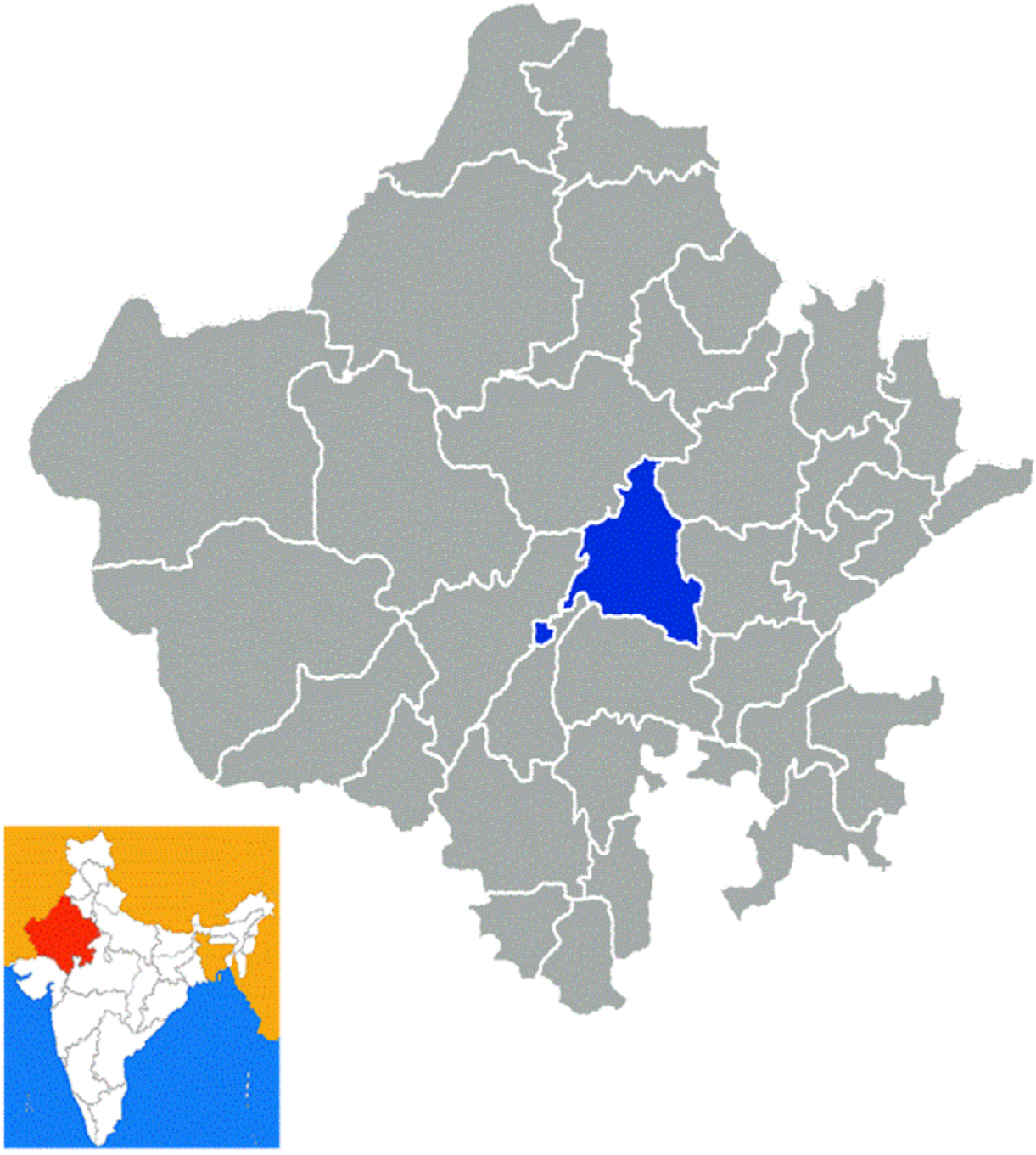

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrsetm.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 10, Issue 1, January 2023 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2023.1001019|

आर्थिक प्रगतिः

पर्यटन उद्योग एड्स और विदेशी मुद्रा भंडार का समर्थन करता है। इससे हमारे देश को विदेशी मुद्रा उत्पन्न करने में लाभ मिलता है। हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक भारत और अन्य स्थानों पर जाते हैं। वे स्थानों पर जाते हैं ; रहें और हमारे देश में खरीदारी करें। यह सब विदेशी मुद्रा उत्पादन की एक महत्वपूर्ण राशि में योगदान देता है। वैश्विक मंदी के बावजूद , भारतीय पर्यटन वर्ष 2010 में 9þ बढ़कर $ 42 बिलियन हो गया।

आय का स्रोतः

पर्यटन सार्वजनिक और निजी आय के लिए आय का एक निरंतर स्रोत है। सरकार ने सरकारी राजस्व नामक विभिन्न प्रकार के कर लगाए हैं। इन करों के माध्यम से उत्पन्न आय सार्वजनिक आय है। विक्रेता द्वारा अर्जित लाभ , स्थानीय कलाकृतियां , हस्तकला की वस्तुएं जैसे आइटम आदि पर्यटकों को व्यक्तिगत आय कहते हैं। पर्यटन से रोजगार सृजन में भी मदद मिलती है। इससे विशेष रूप से होटल उद्योग , आतिथ्य उद्योग , सेवा क्षेत्र , मनोरंजन और परिवहन उद्योग में रोजगार मिला।

बुनियादी ढांचे का विकास

क्या आपने कभी गौर किया है कि पर्यटन स्थल घोषित होने के दौरान किसी स्थान की दृष्टि और स्थिति कैसे बदलती है ? दरअसल , पर्यटन , बांधों , सड़कों , कनेक्टिविटी , हवाई अड्डे के सुधार और किसी भी अन्य गतिविधि के लिए रास्ता बनाकर बुनियादी ढांचे के विकास को प्रोत्साहित करता है जो एक पर्यटक को बेहतर तरीके से यात्रा करने में मदद करता है ![16]

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrsetm.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 10, Issue 1, January 2023 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2023.1001019|

सामाजिक प्रगति

पर्यटन सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक शानदार तरीका है। यह सामाजिक प्रगति को भी प्रोत्साहित करता है क्योंकि पर्यटक नई जगहों पर जाते समय एक-दूसरे के प्रति सम्मान, सहिष्णुता और प्रेम दिखाना सीखते हैं।

सांस्कृतिक विरासत

पर्यटन हमारे देश की सुंदरता, कला, इतिहास और संस्कृति को स्पष्ट करने में मदद करता है। किसी भी देश में आने वाले विभिन्न लोग अपने साथ खूबसूरत सांस्कृतिक अवधारणाएँ लेकर जाते हैं और उन अवधारणाओं को दुनिया के अन्य स्थानों पर जाकर दूसरों तक पहुँचाते हैं। इसी तरह, पर्यटन के माध्यम से स्थानीय कौशल, भाषा और कला को व्यापक रूप से विस्तार मिलता है।

निष्कर्ष

उपयुक्त अध्ययनों से यह स्पष्ट है कि पर्यटन एक देश में आने और जाने के लिए दुनिया भर से कई आगंतुकों को आकर्षित और आमंत्रित करता है। यह किसी देश की आर्थिक प्रगति में भी मदद करता है और रोजगार भी पैदा करता है। पर्यटन भी सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक शानदार तरीका है! इसलिए, प्रत्येक देश को यथासंभव पर्यटन को प्रोत्साहित करना चाहिए क्योंकि पर्यटन हमें इस दुनिया की सुंदरता का पता लगाने और खोजने की अनुमति देता है। अध्ययन क्षेत्र अजमेर में पर्यटन के विकास में धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों का महत्वपूर्ण स्थान है। निष्कर्ष रूप में, यह कहा जा सकता है कि अजमेर-पुष्कर क्षेत्र में देश और विदेश से आने वाले कुल पर्यटकों में से 80þ पर्यटक किसी न किसी रूप में अजमेर में धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल पर जाते हैं।[17] दूसरे शब्दों में, यह कहा जा सकता है कि यदि अजमेर पर्यटन विभाग व्यवस्थित तरीके से स्थानीय ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर सकता है, तो यह अजमेर पर्यटन विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

परिणाम

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrsetm.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 10, Issue 1, January 2023 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2023.1001019|

अजमेर जिले के पूर्व में जयपुर और टोंक जिले, पश्चिम में पाली, उत्तर में नागौर और दक्षिण में भीलवाड़ा जिले हैं। शहर की सीमाएं भारत के पश्चिम में लगभग 5 किलोमीटर हैं। अक्षांश और देशांतर 73 ° 54 से 75 ° 22 के बीच स्थित है, इसका क्षेत्रफल 8481 वर्ग किलोमीटर है।

पठार जिस पर अजमेर नगर स्थित है और भारत का सबसे ऊँचा मैदान है, तारागढ़ पर्वत की तलहटी में स्थित है, जो दुनिया की सबसे पुरानी तह अरावली पहाड़ियों की श्रेणी के बीच में स्थित है। पोल्ट्री प्रशिक्षण केंद्र अजमेर में ही स्थित है। गिरि वन का जानवर अजमेर में अजमेरा के नाम से प्रसिद्ध है।
अजमेर शहर राजस्थान राज्य के साथ - साथ भारत में पर्यटन की दृष्टि से अपना विशिष्ट स्थान रखता है। अजमेर - पुष्कर क्षेत्र हिंदू, मुस्लिम और अन्य संप्रदायों के लिए एक तीर्थ स्थल है। अजमेर के पास पुष्कर राजा पुष्कर में कार्तिक माह में भरे हुए मेले में लाखों देशी और विदेशी पर्यटक आते हैं और इसी तरह रजब महीने में ख्वाजा मोहनुद्दीन चिश्ती के उर्स के महीने में पूरे देश और विदेश से धार्मिक लोग ज़ैन आते हैं, जैन धर्म के लिए। यह जगह खास है। इसके अलावा, अजमेर शैक्षणिक, प्रशासनिक और अन्य दृष्टिकोणों से भी महत्वपूर्ण है। अजमेर शहर में पर्यटन पर कब्जा करने के आधार में से एक राज्य की राजधानी जयपुर, हना का नजदीकी क्षेत्र है। यह यातायात प्रणाली द्वारा जयपुर से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है, जिसके कारण, न केवल देश के सभी राज्य बल्कि विदेशी पर्यटक भी यहां पहुंचने में सक्षम हैं। ऐतिहासिक, धार्मिक, शैक्षिक, प्रशासनिक और पर्यटन के दृष्टिकोण से अजमेर एक महत्वपूर्ण केंद्र है। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने 'स्मार्ट सिटी और हेरिटेज सिटी योजना' के लिए देश के 12 शहरों के साथ अजमेर का चयन किया है। स्मार्ट सिटी और हेरिटेज सिटी योजना में शामिल अजमेर शहर का विकास अब केंद्र सरकार तीर्थ स्थल कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्धन कार्यक्रम के राष्ट्रीय मिशन (PRASAD) के तहत लागू किया गया है। पर्यटन विभाग ने इस विकास श्रृंखला के तहत एक कार्य योजना भी तैयार की है। पर्यटन को बढ़ावा देने और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, चिन्हित धार्मिक केंद्रों को विकसित करने के लिए 2010-11 के लिए केंद्र सरकार के बजट भाषण के तहत 50 करोड़ रुपये का प्रारंभिक प्रावधान किया गया है। इसमें राजस्थान से अजमेर शहर सहित पूरे देश से विशेष धार्मिक महत्व वाले शहरों का चयन किया गया था। निर्देशों के अनुसार, पर्यटन विभाग ने प्रसाद योजना के तहत प्रस्तावित विकास कार्यों के लिए जिला प्रशासन को प्रस्ताव तैयार कर भेज दिया है। योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने 50 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव दिया है। इस राशि में से, अजमेर शहर के विकास पर 10 से 12 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान किया गया है। योजना में ऐसे कार्य भी शामिल हो सकते हैं जो अजमेर के लिए हेरिटेज सिटी हृदय योजना में शामिल हैं। [18]

आप भारत के पर्यटन स्थल अजमेर जाने के लिए कोई भी हवाई मार्ग, ट्रेन और रोडवेज चुन सकते हैं। तो आप अपनी सुविधा के लिए यात्रा का वाहन भी चुन सकते हैं।
अजमेर शहर से लगभग 135 किलोमीटर दूर सांगानेर हवाई अड्डा, जयपुर अजमेर का निकटतम हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा भारत के प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली और मुंबई से बहुत अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। जब आप हवाई अड्डे पर पहुँचते हैं, तो यहाँ से आप अजमेर पहुँचने के लिए टैक्सी किराए पर ले सकते हैं।
यदि आपने अजमेर के लिए एक रेल मार्ग चुना है, तो हम आपको बता दें कि अजमेर शहर का रेलवे स्टेशन "अजमेर जंक्शन रेलवे स्टेशन" है। जो मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर और दिल्ली लाइनों पर स्थित है। यह स्टेशन भारत के प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई, जयपुर, इलाहाबाद, लखनऊ और कोलकाता से जुड़ा हुआ है।
यदि आपने अजमेर के लिए एक बस का विकल्प चुना है, तो हम आपको बता दें कि राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा अजमेर को दिल्ली, जयपुर, उदयपुर, जोधपुर और जैसलमेर जैसे शहरों से जोड़ने के लिए डीलक्स और सेमी - डीलक्स। बसें नियमित चलती हैं। इसलिए आप बस द्वारा बहुत आसानी से अजमेर पहुंच जाएंगे। यदि आप राजस्थान के आकर्षक शहर अजमेर की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं, तो हम आपको बता दें कि अजमेर की यात्रा का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक

| ISSN: 2395-7639| www.ijmrsetm.com| Impact Factor: 7.580 | A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Journal |

|| Volume 10, Issue 1, January 2023 ||

|DOI:10.15680/IJMRSETM.2023.1001019|

माना जाता है। मानसून का मौसम भी अच्छा है लेकिन बारिश के कारण आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हो सके तो गर्मियों में यहां रहने से बचें क्योंकि गर्मियों का मौसम और धूप यहां ज्यादा दर्दनाक हो सकती है।[19]

निष्कर्ष

यदि अजमेर आने वाले पर्यटक यहाँ होटल की तलाश में हैं, तो हम आपको बता दें कि अजमेर में कम बजट से लेकर उच्च - बजट तक के होटल उपलब्ध हैं, तो आप अपनी सुविधानुसार होटल ले सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं अजमेर के कुछ होटलों के नाम।

होटल एलएन कोर्टयार्ड
ब्राविया होटल अजमेर
रीगल होटल
मानसिंह पैलेस अजमेर
होटल साहिल

अजमेर आने वाले हर पर्यटक को यहाँ की प्रसिद्ध खाद्य सामग्री का आनंद लेना अच्छा लगता है, तो चलिए हम आपको अजमेर के कुछ प्रसिद्ध भोजन के बारे में जानकारी देते हैं। दाल बाटी चूरमा, घेवर, बाजरे की खिचड़ी, राजस्थानी पुलाव और गट्टे की सब्जी अजमेर में पसंद किए जाने वाले प्रसिद्ध खाद्य पदार्थों में अधिक प्रसिद्ध हैं। इसके अलावा, लाल मास, चिकन / मटन करी, चिकन / मटन बिरयानी और सुला कबाब जैसे प्रसिद्ध नॉन - वेज आइटम भी यहाँ उपलब्ध हैं। शाम के समय स्थानीय लोगों के लिए सबसे आम स्नैक कचैरी कढ़ी और सोहन हलवा, अजमेर में प्रसिद्ध हैं। कबाब और तंदूरी नॉन वेज जैसे आइटमों के लिए भी लोग दरगाह बाजार जाना पसंद करते हैं। इसके अलावा, आपको अजमेर में विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ मिलेंगे।[19]

संदर्भ

1. ब्रूटन, टी एल, " मनोरंजन, अनुसंधान और योजना ", एलन और अनविन, लंदन, 1970 ।
2. ब्रायडेन, जॉन, एम। , " पर्यटन और विकास ", कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, कैम्ब्रिज, 1973 ।
3. बुर्कार्ट और मेडलिक, " पर्यटनः अतीत, वर्तमान और भविष्य ", विलियम हनीमैन, लंदन, 1981 ।
4. चिब, एस . एन . , " पर्यटन नीति - ए पॉलिटिकल क्रिमिक ", पूर्वी अर्थशास्त्री, वॉल्यूम। 75, सितंबर 1980 ।
5. चोपड़ा सुहिता, " भारत में पर्यटन और विकास ", आशीष पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1991 ।
6. क्रिस्टोफर, जे कोल्लोय, " द बिजनेस ऑफ टूरिज्म ", मैक डोनाल्ड, इवांस इंग्लैंड, 1983 ।
7. क्रैम्पन, एल . टी . (1963). " एन एनालिसिस ऑफ़ टूरिस्ट मार्केट्स ", यूनिवर्सिटी ऑफ़ कोलोराडो प्रेस, कोलोराडो
8. क्रैम्पन, एलटी, " द डेवलपमेंट ऑफ टूरिज्म ", यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो प्रेस, कोलोराडो, 1963 ।
9. डोनाल्ड, ई . " पर्यटन विपणन और प्रबंधन मुद्दे ", जॉर्ज
10. वाशिंगटन विश्वविद्यालय, वाशिंगटन, 1980 ।
11. रविन्द्र कुमार दुलार, राजस्थान और धार्मिक पर्यटन केंद्र, पेमाराम (सं.) राजस्थान में धर्म और आस्था, नवजीवन प्रकाशन, टोंक, 2004
12. सिंह, जगदीश, पर्यटन व्यवसाय और विकास, तेज प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. तिवारी शिव कुमार (1999) पर्यटन विकास और पर्यावरण।
14. पीटर्स डगलस (1981), पर्यटक विकास।
15. पीटर्स, एम, (1969), अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन हचिंसन।
16. रावत, ताज, (2002), पर्यटन विकास के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
17. जोशी, अतुल, कुमार, अमित और जोशी, महिमा, (2010), भारत में आधुनिक पर्यटन, रावत प्रकाशन, जयपुर।
18. गिरिराज प्रसाद पारीक, राजस्थान एक अध्ययन।
19. जिला अजमेर (2011). उप निदेशक, आर्थिक और सांख्यिकी विभाग।

Impact Factor: 7.580

INTERNATIONAL JOURNAL
OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH
IN SCIENCE, ENGINEERING, TECHNOLOGY AND MANAGEMENT

+91 99405 72462 +91 63819 07438 ijmrsetm@gmail.com

www.ijmrsetm.com